Grammatiske øvelser 6

Hvordan skrive brev - fortsette fra forrige uke

पत्र लेखन

विविध पत्र सम्बन्धी चार्ट

पत्र का प्रकार	सम्बन्ध	अभिवादन के शब्द	पत्र के अन्त में लिखे जाने वाले शब्द
सम्बन्धियों के पत्र	पिता–पुत्र पुत्र–माता भाई–बड़ी बहन	प्रिय राजेश, सप्रेम आशीर्वाद। पूजनीय माताजी, सादर प्रणाम। माननीय बहिन, प्रणाम।	तुम्हारा पिता आपका आज्ञाकारी पुत्र स्नेही अनुज
मित्र, गुरु, शिष्य परिचित आदि के लिए	मित्र–मित्र शिष्य–गुरु गुरु-शिष्य परिचित व्यक्ति को	प्रिय सविता, प्रिय राजेश–नमस्ते, जय हिन्द आदरणीय गुरुजी, पूज्य गुरुजी–सादर प्रणाम, चरण स्पर्श चिरंजीव राहुल–सस्नेह आशीर्वाद प्रिय महोदय, श्रीमान् जी	तुम्हारी सखी, तुम्हारा शुभचिन्तक आपका आज्ञाकारी शिष्य, आपका स्नेह-भाजन तुम्हारा शुभाकांक्षी भवदीय
व्यावसायिक तथा सरकारी	पुस्तक विक्रेता को बैंक मैनेजर को रेलवे ट्रैफिक सुपरिण्टेण्डेण्ट को महानिदेशक, आकाशवाणी को केन्द्रीय मन्त्री, भारत सरकार को प्रिंसिपल महोदय को जिला मजिस्ट्रेट को सम्पादक को	महोदय/श्रीमान् महोदय श्रीमान् मैनेजर साहब मान्यवर श्रीमान् महोदय मान्यवर श्रीमान् जी श्रीमान् महोदय आदरणीय सम्पादक जी	भवदीय विनीत प्रार्थी भवदीय प्रार्थी विनीत या प्रार्थी विनीत प्रार्थी भवदीय, प्रार्थी

पिता को पत्र–घर की कुशलता के बारे में

11, कस्तूरबा गाँधी मार्ग
नई दिल्ली-110001
दिनांक 10-1-90

आदरणीय पिता जी,

सादर प्रणाम!

आपका पत्र मिला। यह जानकर बड़ी प्रसन्नता हुई कि आपका स्वास्थ्य पहले से बहुत अच्छा है और आप सानन्द हैं। हम लोग भी यहाँ सपरिवार सकुशल हैं। वीना और मधु के स्कूल खुल गए हैं और उनकी पढ़ाई ठीक प्रकार से चल रही है। राकेश को भी नर्सरी स्कूल में प्रवेश दिला दिया है। मैं स्वयं कालेज जाने लगा हूँ और श्रमपूर्वक आगामी परीक्षा की तैयारी कर रहा हूँ।

घनघोर वर्षा के कारण कोठी का निर्माण कार्य जो रुक गया था वह अब पुनः चालू कर दिया है। आशा है, लगभग एक महीने में कोठी बन कर तैयार हो जाएगी। कोठी के काम की देखभाल स्वयं माताजी कर रही हैं। सब कार्य सुचारु रूप से चल रहा है।

बम्बई से जब आप कार्य समाप्त कर लौटें तो राकेश के लिए कुछ चित्र और खिलौने लाना न भूलिएगा। आजकल छोटी मौसी भी लखनऊ से आई हुई हैं। वे दो दिन दिल्ली रुक कर चली जाएँगी।

शेष सब कुशल है। राकेश आपको बहुत याद करता है। सब लोग आपके आने की प्रतीक्षा में हैं।

आपका आज्ञाकारी पुत्र
विमल

छुट्टी के लिए प्रधानाचार्य को प्रार्थना-पत्र

श्रीमान् प्रधानाचार्य महोदय
मार्डन स्कूल
बाराखम्बा रोड
नई दिल्ली-110001

मान्यवर महोदय,

सविनय निवेदन है कि गत तीन दिनों से मैं मलेरिया के तीव्र ज्वर से पीड़ित हूँ, इसी कारण मैं विद्यालय में उपस्थित नहीं हो सका। मेरी चिकित्सा नियमित रूप से चल रही है और मुझे आशा है कि मैं शीघ्र ही स्वस्थ हो जाऊँगा। डॉक्टर ने मुझे एक सप्ताह विश्राम करने की सलाह दी है।

आप से मेरी प्रार्थना है कि विद्यालय से मेरी 21 से 23 अप्रैल तक की अनुपस्थिति क्षमा करेंगे, तथा 24 अप्रैल से लेकर 30 अप्रैल तक का अतिरिक्त अवकाश देकर मुझे अनुगृहीत करेंगे।

धन्यवाद!

प्रार्थी
सुनील कुमार
कक्षा 8

पता:
198, चाँदनी चौक
दिल्ली-110006
दिनांक—24 अप्रैल सन् 1990

छात्रवृत्ति के लिए प्रधानाध्यापक महोदय को प्रार्थना-पत्र

सेवा में,
माननीय प्रधानाध्यापक जी,
सलवान पब्लिक स्कूल,
नई दिल्ली-110060

माननीय महोदय,

नम्र निवेदन है कि मैं आपके विद्यालय की नवीं कक्षा का छात्र हूँ। मैं अत्यन्त निर्धन हूँ। गत मास मेरे पिता जी का हृदयगति रुक जाने से अचानक देहान्त हो गया। वे ही परिवार का भरण-पोषण करते थे। अब माताजी मेरी पढ़ाई का भार नहीं सँभाल सकतीं। परिवार की आमदनी का कोई अन्य साधन भी नहीं है। इस स्थिति में मैं न तो स्कूल की फीस दे सकता हूँ और न ही पुस्तकें आदि खरीद सकता हूँ। मेरी माँ को मेरे भविष्य की बड़ी चिन्ता है। पढ़ने-लिखने में मेरी गणना कक्षा के योग्य विद्यार्थियों में की जाती है। वैसे गत वर्ष मैं आठवीं कक्षा की वार्षिक परीक्षा में सर्वप्रथम रहा था। मेरे शिक्षक आदि भी मुझ पर स्नेह रखते हैं।

धन के अभाव में मेरी शिक्षा समाप्त हो जाएगी। अत: आपसे प्रार्थना है कि मेरी दयनीय स्थिति को देखते हुए तथा मेरे भविष्य का ध्यान रखते हुए आप मुझे विद्यालय से छात्रवृत्ति दिलाने का अनुग्रह करें। इसके लिए मैं सदा आपका आभारी रहूँगा। मैं आपको अपनी ओर से विश्वास दिलाता हूँ कि मेरे परीक्षा-परिणाम सदा आपको सन्तुष्ट रखेंगे।

मुझे पूर्ण आशा है कि आप मेरी प्रार्थना को स्वीकार करके मुझे छात्रवृत्ति दिलाने की कृपा करेंगे।

विनीत
प्रदीप कुमार
कक्षा-9 (अ)

दिनांक : 10 जुलाई, 1990

निमन्त्रण

शुभ-विवाह

कार्यक्रम :

स्वागत बारात	19-2-1990	6-30 बजे सायम्
प्रीति-भोज	19-2-1990	8-00 बजे सायम्
पाणिग्रहण संस्कार	19-2-1990	9-00 बजे सायम्
विदा	20-2-1990	6-00 बजे प्रातः

कु० सरोज कश्यप [सुपुत्री श्री सोमेश्वरनाथ कश्यप]

ए व म्

चि० किशोर शर्मा [सुपुत्र स्वर्गीय बद्रीप्रसाद शर्मा, अजमेर निवासी]

के शुभ-पाणिग्रहण-संस्कार पर आपकी उपस्थिति प्रार्थनीय है।

उत्तरापेक्षी—

रवीन्द्र कश्यप,
वीरेन्द्र कश्यप,
रामेश्वरनाथ कश्यप,
विश्वेश्वरनाथ कश्यप,

प्रार्थी
कामेश्वरनाथ कश्यप
लोकेश्वरनाथ कश्यप

चाय-पार्टी का निमन्त्रण-पत्र

प्रिय किशोर,

कल सायंकाल साढ़े पाँच बजे मैंने अपने पुत्र के मुण्डन-संस्कार के उपलक्ष्य में अपने घर पर चाय-पार्टी का आयोजन किया है। निवेदन है कि आप सपरिवार इस प्रसन्नता के अवसर पर होनेवाली पार्टी में सम्मिलित होकर अनुगृहीत करें।

20 जून, 1990

आपका मित्र
पुनीत

प्रीति-भोज का निमन्त्रण-पत्र

बहिन कोमल,

द्वादश श्रेणी परीक्षा उत्तीर्ण कर लेने की खुशी में मैंने अपनी सब सखियों को परसों शाम भोजन पर बुलाया है। मैं चाहती हूँ कि तुम भी इस प्रीति-भोज में अवश्य सम्मिलित होओ।

25 जून, 1990

प्रतीक्षा में—तुम्हारी सखी
निशा

निमन्त्रण-पत्र

काव्य-सन्ध्या

केन्द्रीय विद्यालय
भोपाल
1 दिसम्बर, 1990

महोदय,
सादर वन्दे!

अन्तर्राष्ट्रीय विकलांग वर्ष के उपलक्ष्य में सुप्रसिद्ध कवि श्री गोपाल प्रसाद व्यास जी के सभापतित्व में 5 दिसम्बर, 1990 को एक काव्य-सन्ध्या का आयोजन होगा। सभी स्थानीय कवि एवं कवयित्रियों ने इस कार्यक्रम में पधारने का आश्वासन दिया है।

आशा है कि आप भी मित्रवर्ग सहित उपस्थित होकर अपनी कविताओं द्वारा श्रोताओं का मनोरंजन करेंगे।

उत्तराकांक्षी
राकेश पुरी
अध्यक्ष

विनीत

अनिल भारद्वाज
परामर्शदाता

वीनू चौहान
मन्त्री

पोस्ट-मैन की शिकायत

सेवा में,
श्रीमान् पोस्ट-मास्टर महोदय,
गोल डाकखाना,
नई दिल्ली –110001

महोदय,

मुझे बड़े खेद के साथ यह पत्र आपको लिखना पड़ रहा है। मैं 10 टेलीग्राफ ट्रैफिक प्लेस, बेअर्ड रोड पर रहता हूँ। इस इलाके में नियुक्त डाकिया अपना काम ठीक ढंग से नहीं कर रहा है। कई बार मैंने देखा है कि हमारे पत्र ग़ायब हो जाते हैं, कुछ पत्र जो हमें मिलने चाहिएँ उन्हें डाकिया पड़ोसियों के यहाँ दे जाता है। जो डाक रोज़ बँटनी चाहिए उसे वह तीन-तीन चार-चार दिन बाद बाँटता है। इस सम्बन्ध में हमने उसे कई बार चेतावनी भी दी है पर उसने हमारी बात पर कोई ध्यान नहीं दिया। उलटे झगड़ा करने पर उतारू हो गया।

यदि हमारे कहने से वह अपना काम सही ढंग से करने लग जाता तो हम उसकी आपसे कभी भी शिकायत न करते।

अब आपसे निवेदन है कि आप इस डाकिए के विरुद्ध उचित कार्यवाही करें जिससे कि हमें अपने पत्र समय पर मिल सकें।

आशा है इस सम्बन्ध में आप कोई बड़ा कदम उठाएँगे और हमारी तकलीफ़ दूर करेंगे।

दिनांक 5-5-90 प्रार्थी

पता: 10 न० टेलीग्राफ ट्रैफिक प्लेस, यज्ञदत
बेअर्ड रोड, नई दिल्ली-110001

व्यावसायिक पत्र

पुस्तक-विक्रेता को

संचालक महोदय,
रामा पुस्तक भण्डार
17, बस्ती हरफूल सिंह
दिल्ली-110006

महोदय,

मैंने आपकी सूची-पत्र से निम्नलिखित पुस्तकों का चुनाव किया है। कृपया आप ये पुस्तकें उचित कमीशन काट कर मुझे वी० पी० पासर्ल से भेज दें। पुस्तक भेजते समय यह ध्यान रखें कि वह कहीं से कटी-फटी न हों।

धन्यवाद!

पुस्तकें—

(1) हमारी गाथा—लेखक : कृष्णकान्त
(2) हिन्दी साहित्य का इतिहास—लेखक : रामचन्द्र शुक्ल
(3) सूर पदावली—सम्पादक : नरेश शर्मा
(4) हिन्दी की सर्वश्रेष्ठ कहानियाँ—सम्पादक : धीरेन्द्र कुमार

दिनांक : 1-6-90 भवदीय
सुनील दत्त

पता : 17, नेताजी मार्ग,
रोहतक (हरियाणा)

बैंक के प्रबन्धक के नाम पत्र

महाप्रबन्धक
स्वतन्त्र भारत बैंक
मद्रास

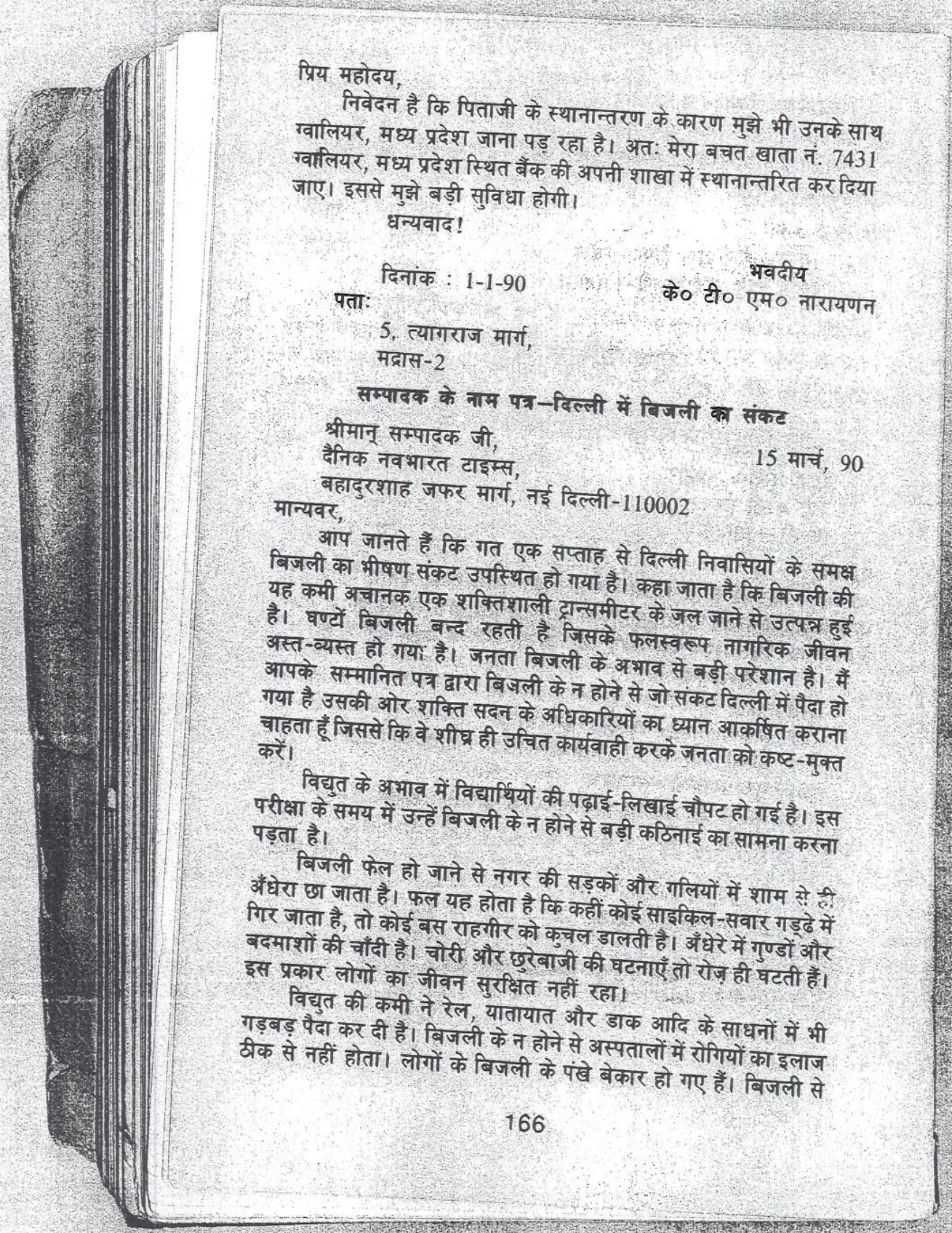

प्रिय महोदय,

निवेदन है कि पिताजी के स्थानान्तरण के कारण मुझे भी उनके साथ ग्वालियर, मध्य प्रदेश जाना पड़ रहा है। अतः मेरा बचत खाता नं. 7431 ग्वालियर, मध्य प्रदेश स्थित बैंक की अपनी शाखा में स्थानान्तरित कर दिया जाए। इससे मुझे बड़ी सुविधा होगी।

धन्यवाद!

दिनांक : 1-1-90

भवदीय

के० टी० एम० नारायणन

पताः

5, त्यागराज मार्ग,
मद्रास-2

सम्पादक के नाम पत्र—दिल्ली में बिजली का संकट

श्रीमान् सम्पादक जी,
दैनिक नवभारत टाइम्स,
बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002

15 मार्च, 90

मान्यवर,

आप जानते हैं कि गत एक सप्ताह से दिल्ली निवासियों के समक्ष बिजली का भीषण संकट उपस्थित हो गया है। कहा जाता है कि बिजली की यह कमी अचानक एक शक्तिशाली ट्रान्समीटर के जल जाने से उत्पन्न हुई है। घण्टों बिजली बन्द रहती है जिसके फलस्वरूप नागरिक जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। जनता बिजली के अभाव से बड़ी परेशान है। मैं आपके सम्मानित पत्र द्वारा बिजली के न होने से जो संकट दिल्ली में पैदा हो गया है उसकी ओर शक्ति सदन के अधिकारियों का ध्यान आकर्षित कराना चाहता हूँ जिससे कि वे शीघ्र ही उचित कार्यवाही करके जनता को कष्ट-मुक्त करें।

विद्युत के अभाव में विद्यार्थियों की पढ़ाई-लिखाई चौपट हो गई है। इस परीक्षा के समय में उन्हें बिजली के न होने से बड़ी कठिनाई का सामना करना पड़ता है।

बिजली फेल हो जाने से नगर की सड़कों और गलियों में शाम से ही अँधेरा छा जाता है। फल यह होता है कि कहीं कोई साइकिल-सवार गड्ढे में गिर जाता है, तो कोई बस राहगीर को कुचल डालती है। अँधेरे में गुण्डों और बदमाशों की चाँदी है। चोरी और छुरेबाजी की घटनाएँ तो रोज़ ही घटती हैं। इस प्रकार लोगों का जीवन सुरक्षित नहीं रहा।

विद्युत की कमी ने रेल, यातायात और डाक आदि के साधनों में भी गड़बड़ पैदा कर दी है। बिजली के न होने से अस्पतालों में रोगियों का इलाज ठीक से नहीं होता। लोगों के बिजली के पंखे बेकार हो गए हैं। बिजली से

चलने वाले लघु उद्योग ठप हो गए हैं। सिनेमा-मालिक तो बैठे रो रहे हैं; उन बेचारों की तो रोज़ी ही चली गई है।

आशा है कि अधिकारी वर्ग जनता की इन कठिनाइयों का ध्यान रखते हुए शीघ्र ही विद्युत-वितरण की समुचित व्यवस्था करेगा।

भवदीय
एक नागरिक

रेडियो के कार्यक्रमों के बारे में सुझाव-पत्र

12/12, पन्त नगर
नई दिल्ली
4-4-90

सेवा में